BDB-1-HI

बाइबल का सम्मान दूर करने का युद्ध 1

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, कुछ लोग पूछते हैं कि शुरू के मसीही लोगों ने कैसे जाना कि सच्चा मसीही विश्वास क्या है और क्या नही है? इसके पहले कि उनके हाथों में नए नियम की किताबे आए, उन्होंने कैसे जाना कि किस किताब को नए नियम के कैनन में जोड़ना चाहिए, और जब नए नियम की किताबे लिखी जा रही थी, तो कैसे जाना कि किस किताब को कैनन में जोड़े, इस नए नियम में, और किसे बाहर रखें, किसने ये निर्णय लिया, आज आप इसे जानेंगे, हमारे विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

+++++++++

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ग्राम में स्वागत है, मैं आप से ये सवाल पूछता हूँ, आपको क्या लगता है कि शुरू के विश्वासियों ने 27 किताबों को कैसे चुना जिससे अब नए नियम का कैनन बनता है? मैं जानता हूँ आप टेलीवीजन पर देख रहे होगे, या किताबें पढ़ रहे होगे, टीवी पर स्पेशल्स सुन रहे होगे, जो बहुत से विचारों के बारे में कह रहे थे, कि ये जानकारी हम तक कैसे आई है, कुछ लोग कहते हैं कि मसीही लोगों की असली बातें हम खो चुके हैं, और कांस्टेनटीन ने शास्त्रियों को फिर से सब नए रूप में लिखने लगाया, चौथी सदी में, दूसरे लोग कहते हैं, नही, ये उतना बुरा नही लेकीन हमारे पास अच्छी चीज़ नही है, हम पूछना चाहेंगे, इन लोगों से जो संसार के महान विद्वान् हैं, कि इस सवाल का कैसे जवाब दे, खासकर जो विद्यार्थी अब सुन रहे हैं/

डेरेल बॉक, नए नियम के प्रोफेसर हैं डेलस थियोलोजिक्ल सेमनरी में, यदि आज हमारे प्रोग्राम आप इन्हें ध्यान से देखे, तो आप पहचानेंगे कि ये एबीसी, एनबीसी और फॉक्स और सी एन एन पर हमेशा आए हैं, जब भी आप यीशु के बारे में एतिहासिक विशेष प्रोग्राम देखते हैं, और डॉ, डेनियल बी वालेस, ये नए नियम के अध्यन के प्रोफेसर हैं, डेलेस थियोलोजिक्ल सेमनरी में, ये संसार के विख्यात व्यक्ति हैं, टेक्स्टुअल दोष पर, और नए नियम के ग्रीक हस्त लेखों के बारे में, ये सेन्टर फॉर द स्टडी ऑफ़ न्यू टेस्टामेंट मेन्युस्क्रिप्ट के डायरेक्टर हैं, और ये अरितिक्त समय में नेट बाइबल के न्यू टेस्टामेंट के सीनियर एडिटर हैं, इन्होने स्टैण्डर्ड ग्रीक ग्रामर बियोंड द बेसिक्स लिखी हैं, और नए नियम का एक्सेजेटिकल सिंटेक्स भी लिखा है/ ये बहुत विद्वान् लोग हैं/

डैन, चलिए आप से शुरू करते हैं, शुरू के विश्वासियों ने किस तरह से चुनाव किया कि कौनसी किताब नए नियम के कैनन में जाएगी?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: ये महान सवाल है जॉन, मैं सोचता हूँ कि तीन बुनियादी क्रायटेरिया है जिसके बारे में उन्होंने सोचना शुरू किया, उन्हें यही मुश्किल थी कि किसे रखे और किसे न रखे, पहला है जिसे हम अपोस्टोलिसिटी कहे, या इसे एन्टीक्विटी कहे, अपोस्टोलिसिटी याने इसे प्रेरितों ने लिखा, या प्रेरितों के सहायक ने लिखा, यदि हम इस में एन्टीक्वीटी शब्द जोड़े तो इसे इसवी सन 100 के पहले ही लिखा जाना चाहिए/ ये डॉक्यूमेंट ऐसा हो जो प्रेरित के सहायक ने लिखी या प्रेरितों ने, या आँखों देखे गवाह ने, या दूसरी पीढ़ी के विश्वासियों ने इसे लिखा हो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: नही तो इसका कोई अर्थ नही/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: नही तो अर्थ नही है, आज ऐसे बहुत से विद्वान् कहते हैं, कि कैनन पूरी तरह से खुला था, चौथी और पांचवी और छटी सदी तक, याने कैनन बन्द नही किया गया, याने कोई नही कहता कि ये 27 किताबें हैं और केवल यही 27 कितबें हैं, याने इससे अनट्रेन लीडर ये प्रभाव पाएंगे, तो इसका अर्थ है कि उन्होंने थोमा का सुसमाचार नही चुना, मरियम का सुसमाचार, फिलिपुस का सुसमाचार, या पतरस का, ये सब डॉक्यूमेंट दूसरी सदी में आए/ प्रेरित पिताओं ने जो लिखा है, वो उसे कैनन में रख सकते थे/

लेकिन ये सच नही है, सच तो ये है कि चर्च ये जाने लग गया, बहुत ही शुरू से ही, केवल वही डॉक्यूमेंट जिन पर प्रेरितों के चिन्ह हैं, या एन्टीक्वीटी है, हम मेरीटोरियन फ्रेगमेन्ट देखते हैं जिस पर हम बाद में चर्चा करेंगे, इस मेरीटोरियन फ्रेगमेन्ट में कहते हैं कि हमारे समय में, शेफर्ड ऑफ़ हेरमेस लिखा गया है/ वो कहते हैं कि हमारे समय में, याने ये दूसरी सदी के बारे में कहता है, और वो कहता है कि ये अच्छी किताब है, और ऐसा ही था एक प्रेरित पिता ने इसे लिखा था,ये अच्छी किताब है, उन्नति देती है, लेकिन इसे चर्च में लोगों के सामने नही पढ़ना चाहिए, क्योंकि इस पर अधिकार की वही मुहर नही है, जैसे इन दूसरी किताबों में है, याने ये सीधा चिन्ह लगाया गया, इसवी सन 100 के बाद किसी तरह से इसे कैनन में नही रख सकते हैं, इसवी सन 100 के पहले के, ये संभव है/

दूसरा क्रायटेरिया तो केथोलोसिटी है, इसका अर्थ ये रोमन कैथलिक नही है, इसका अर्थ है पुरे संसार का, ये ऐसी किताब हो जो चर्च द्वारा स्वीकार की गई हो, और प्रेरितों के बताने की परंपरा से, जो बिशप को सिखा रहे थे, और उन्होंने अपने बाद दूसरे बिशप को सिखाया, इस तरह हम जानते हैं कि ये इन लोगों तक वापस जाता है, हम जानते हैं कि ये हमें ओर्थोडोक्सी के बारे में बता रहे हैं, ये प्रेरितों से आया है या उनके दोस्तों से, हम जानते हैं कि ये किताब हमें सच्चाई बता रही है, ये इसी बारे में है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और हम जानते हैं कि दूसरी सदी में भी, सच तो ये है कि वो इस मुद्दे के बारे में परवाह कर रहे थे, उन्होंने यही कहा/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, वो प्रेरितों के अधिकार के बारे में परवाह कर रहे थे, दूसरी सदी के पहले आधे भाग में, मैं निश्चित नही कि उन्होंने इसे जाना होगा कि नए नियम को वचन के रूप में लेना चाहिए, ये अलग मुद्दा है जिस पर हम बाद में चर्चा करेंगे, लेकिन इस बात को देखे, याने डॉक्यूमेंट के अधिकार के बारे में, ये कुछ ऐसा होना चाहिए जो पूरी तरह फैला हो और चर्च ने इसे स्वीकार किया हो/ और तीसरा मुद्दा है कि ये ओर्थोडोक्स होना चाहिए, ये दूसरी किताबों से मिलना चाहिए, जिससे हम जाने कि ये यीशु के बारे में सच्चाई बता रहे हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: डेरेल?

डॉ. डेरेल बॉक: जी, मैं सोचता हूँ कि तीसरी कैटगरी के बारे में महत्वपूर्ण बात है कि ये ओर्थोडोक्स की विचारधारा, याने ओर्थोडोक्स की शिक्षा जो है उसका मुख्य भाग यही है, जो चर्च में आया जिसके बारे में हमने पिछले प्रोग्राम में देखा है, याने स्कूलिंग के द्वारा, डोक्ट्रिनल समरी और गीतों के द्वारा, याने गाने और विधियों के द्वारा, याने विश्वास का ये नियम था, कईबार हम शब्द उपयोग करते हैं रेग्युला फिडा, ये विश्वास का नियम है, और ये किताबें उससे मिलती हैं, और बहुत सी किताबें जो कैनन में नही हैं, जिन्हें पहचाना नही गया, उनमें रेग्युला फीडा की समस्या थी, उनमे विश्वास के नियम की समस्या थी, उसके सन्दर्भ के कारण उन्हें निकाला गया है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए इस मुद्दे पर बने रहे, किस बात के कारण कुछ किताबें अनओर्थोडोक्स हुई, और वो मुख्य विश्वास क्या था जिसे मसीही लोग थामे थे, जिसके कारण उन्होंने उन किताबों को छोड़ बाकि सब का इनकार किया/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, इस मुख्य विश्वास जो अस्तित्व में है उसका संबन्ध है कि परमेश्वर सृष्टिकर्ता है और सृष्टि अच्छी थी, और यीशु सच में मनुष्य था और सच में परमेश्वर था, और सृष्टि ऐसी थी जिसे छुटकारे की जरूरत थी, और ये केवल कोई व्यक्ति नही, ये केवल उनका प्राण नही, लेकिन यहाँ तक कि उनकी भौतिक चिज़े, शारीरिक बातों के बारे में कुछ था जिसे छुटकारे की जरूरत थी, सृष्टि छुटकारे के लिए करहा रही थी, और यहाँ तक कि सृष्टि करहाती है ये रोमियों का विख्यात वचन है, ये कहता है कि सृष्टि मनुष्य के पुत्र के छुटकारे के लिए करहाती है/ याने ये विचार कि ये उद्धार पूरी सृष्टि में दिखाया जाएया,याने पुनरुत्थान का अपने लिए एक शारीरिक तत्व था, याने ये केवल प्राण का अमरत्व नही है/ या इस तरह से कुछ, याने जब ये बाइबल के अतिरिक्त डाक्यूमेंट्स ऐसी सृष्टि के बारे में बताती है जो शुरू में अजीब थी, कि परमेश्वर इसके लिए सीधा जिम्मेदार नही है लेकिन किसी तरह से ये है, कि यीशु अकसर हर समय मनुष्य नही है, सच में शुरू के चर्च में समस्या ये विश्वास नही कि यीशु आलौकिक था, दिलचस्प बात ये है कि यीशु मनुष्य नही था, और उसके पदचिन्ह है लेकिन वो ये है कि वो ये चिन्ह न ही है, याने उसका प्राण...

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: या उसने किसी भी तरह से कोई चिन्ह नही छोड़े/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, बिलकुल सही कहा, कि वो बिच पर चल रहा था और पदचिन्ह नही थे, जब वो क्रूस पर मरा तो उसकी उस्थिति किसी भी मनुष्य के साथ रहने लगी, याने सच में उसने कभी दू:ख नही उठाया, याने जिस पल हम इस तरह कुछ करते हैं, तो इससे बाहर होते हैं, याने ये विचार कि पुनरुत्थान के लिए कोई बात नही, तो ये इससे बाहर की बात है, याने कुछ वचन का भाग ऐसा है जो इन किताबों को दूर करता है, क्योंकि ये सिखा रहा है कि चर्च अभी स्थापित हुआ है, याने कई केस में ये तो इन किताबों के लिखने के पहले था, और इस तरह से बताया गया कि ये उस के साथ नही मिलता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, मुझे ये पसंद है, चलिए इस बात को देखते हैं, कि कब कुछ किताबों को जोड़ा गया? मैं सुसमाचार के बारे में कह रहा हूँ, चार सुसमाचार, जानते हैं डैन ब्राउन, ये पूरी बात द डा विन्सी कोड के बारे में, याने कि कुल 80 सुसमाचार थे और केवल 4 चुने गए थे, राजनैतिक और इन बातों के कारण, चलिए देखते हैं कि सच में इतिहास में क्या हुआ, कब शुरू के चर्च ने जानना शुरू किया, शुरू में उन्होंने कब जाना कि ये चार सुसमाचार ही वो सुसमाचार हैं जिन्हें जोड़ना चाहिए?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: यदि आप डैन ब्राउन के 80 की सूचि से शुरू करें, मुझे पता नही उन्हें ये संख्या कहाँ से मिली, क्योंकि हम सच में नही जानते कि इतने सुसमाचार वहां पर एक साथ थे, कुछ भी हो वो ये सलाह देते हैं कि ये शुरू के समय में थे, जब कि ऐसा नही है, डाक्यूमेंट्स के रूप में हमारे पास ये है, ये चार कैननॉकिल सुसमाचार है पहली सदी से, उसके बाद ऐसे सुसमाचार हैं जो दूसरी, तीसरी और 9 वी सदी तक लिखे गए हैं, और यदि इन सब डॉक्यूमेंट को एक साथ जोड़े तो शायद 9 या 11 होगे, पता है सूडो मैथ्यू जो 9 वी सदी से है, याने हम कह रहे हैं कि 45 से 60 सुसमाचार होगे, लेकिन ये सब बाद में आए, यही बात है, ये पहली बात है जिस पर बहस होती है, चलिए शुरू के देखते हैं, वही से हमें ये चार सुसमाचारमिलते हैं/

एक बात है जो बहुत से लोग नही जानते हैं कि आज हमारे पास जो आधुनिक किताब का तरीका है, याने बाई ओर बैन्डिंग हैं और पन्ने पलटाते हैं तो कोडेक्स है, इसकी खोज शायद पहली सदी के अंत में की गई थी, और हमारे पास ये मजबूत सबूत हैं कि मसीही लोगों ने इसे विख्यात किया और वो इसे आगे लेकर गए, इसवी सन

की पहली सदी में ही मसीही लोगों की 80 प्रतिशत किताबें कोडेक्स में लिखी गई थी,जब कि बाकि संसार की दूसरी किताबें कोडेक्स में केवल 20 प्रतिशत थी, याने मसीही लोगो ही इसे दूसरों से ज्यादा उपयोग कर रहे थे, और किसी ने इस तरह की सलाह दी है कि कोडेक्स तरीका इस लिए बनाया गया क्योंकि इस में एक से ज्यादा किताबें आ रहे, जब कि रोल या हस्तलेख जो कि नक्शे के आकार का होता है, उस में चार सुसमाचार नही रख सकते हैं, याने इस तरह सुझाव है कि कोडेक्स तरीका इसलिए लाया गया कि उसमे चार सुसमाचार रख सके/ इसलिए ये खबर इस तरह से बताई गई कि ये किताबें हैं जो हमने खजाने या कीमती चीजों जैसे रखी हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आपके लिए कुछ वाक्य कैसे अद्भुत लगते हैं जैसे आप प्रेरितों से आगे बढ़ते हैं और उनके विद्यार्थीयों में जाते हैं, और विद्यार्थियों के विद्यार्थीयों तक, और फिर ये चर्च के लीडर जो इस तरह के निरंतर सिद्धान्त के विश्वास में आते हैं, उन्होंने कब ये वाक्य कहना शुरू किया कि हम ये जानने लगे कि चार सुसमाचार हैं और केवल चार सुसमाचार ही हैं/

डॉ. डेरेल बॉक: खैर दूसरी सदी में यही तो हुआ, यदि आप दूसरी सदी के शुरू के भाग में देखे, जब हम प्रेरितों के पिता के बारे में कहते हैं, याने ये पीढ़ी जो प्रेरितों के अधीनता में सीखे, लेकिन वो खुद प्रेरित नही थे, और जस्टिन मारटर तक जाए जिसे पहले अपोलोजिस्ट कहते हैं, ये कलेक्श हैं अपोस्टोलिक फादर का जो इस किताब में दिखाया गया है, याने इसमें दूसरी सदी के बारे में बताया गया है, दूसरी सदी का पहला आधा भाग, यदि आप इन वचनों को देखे और पूछे कि कितनी किताबें नए नियम में जोड़ी गई हैं, ये अकसर पूछा जाता है, इसका जवाब है उतने नही जो आप सोचते हैं, इसे इतना नही जोड़ा गया/

अब देखिए ऐसी बहुतसी चीजें हैं जिन्हें हम नए नियम में देखते हैं, याने हम कईबार सोचते हैं कि क्या हम बाइबल की किताबे से कह रहे हैं, या फिर उस परंपरा को कहते जा रहे हैं जो हम बाइबल की किताबों में देखते जाते हैं, इस तरह की बात, चलिए इसे मुश्किल न बनाए, यहाँ पर लोग किसी किताब के बारे में नही कह रहे हैं वो थियोलोजी के बारे में कह रहे हैं, हम जस्टिन मारटर तक जाते हैं और फिर अरनियास तक जाते हैं, क्या होता है कि दूसरे चलन दिखने लगते हैं, जैसे दूसरे चलन दिखने लगते हैं, वो इस तरह की किताबें लिखने लगते हैं इसके बारे में वो सोचते हैं कि ये उनकी थियोलोजी के अनुसार है, अपनी थियोलोजी को बढ़ावा देने के लिए, याने अब हमें पूछना पड़ता है कि किसने सही लिखा है और किसने नही लिखा? याने इस तरह की बातें होने लगती हैं और हम जानने लगते हैं कि हम जो विश्वास करते हैं क्या ये किताबे उसके बारे में बताती हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अब हम ब्रेक लेंगे और वापस आने पर इसे आगे देखेंगे, और यदि सच में समय को देखे तो नायसिन के समय तक, और बाद में एथेनेशस, जहाँ पर उन्होंने कहा, कि यही है, याने उन्होंने कैसे पाया इन किताबों से, और उसे अलग किया और अंत में कहा कि बस यही है, ठीक है और कितने जल्दी उन्होंने कहा कि बस यही हैं, ठीक है उस पर हम चर्चा करेंगे तो बने रहिए/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम लौट आए हैं और हम चर्चा कर रहे हैं, संसार के दो महान विद्वान् से, डॉ. डेरेल बॉक और डॉ. डैनिएल बी वैलेस से, और हम मुख्य सवाल को देख रहे हैं, आज नए नियम के कैनन में ये किताबें किस तरह से आई, शुरू के विश्वासियों ने कैसे जाना कि जिसे चुने? याने ये जानकारी आ रही थी, प्रेरितों से और प्रेरितों के साथियों से, और आगे जाकर उन्होंने कहा कि ये इतना है है और केवल यही है, और ये कैनन हो गया, ये अधिकार की किताबें हैं जिन्हें आज विश्वासी लोग थामे हैं, और ये इस तरह कहना है कि बाकि बातें इसका भाग नही हैं, ठीक है, यहाँ से आगे बताइए, उन्होंने इन बातों को कैसे जोड़ा और इतिहास हमें किस तरह के चिन्हों के बारे में बताता है?

डॉ. डेरेल बॉक: जी, हम जस्टिस मारटर से शुरू करते हैं और हम इसके भागों से इसे शुरू करते हैं, और इसमें विवाद नही, बस ये तो इन्ही बातों से आता है और ये सब, और वो इसका उपयोग करते हैं, मसीहियत के बचाव के लिए, फिर हम देखते हैं जैसे टेशन को, मुझे टेशन पसंद हैं, टेशन का महान विचार था, उन्होंने कहा जानते हैं चार सुसमाचार होना गडबडी में डालता है, क्यों न हम इसे एक ही कहानी में बताए, याने एक ही बड़ा सुसमाचार हो, जिसे हम कहेंगे द डीयाटेसरान, अब किसी के लिए इसका कोई अर्थ नही है क्योंकि कोई लैटिन नही जानता, लेकिन यदि आप लैटिन जानते तो इसका अर्थ है चार, याने वो यही करते कि चारों को जोड़ते, साथ ही और भी कुछ बातों को एक साथ कहानी में जोड़ते हैं, और इसे चर्च में बताते हैं कि ये नया प्रभावी सुसमाचार है, जो एक ही बार में पूरी कहानी है, उन्हें इसे आसान बनाना है, और हालाकि इसे किसी संबन्ध में व्यवहारी बातों के संबन्ध में देखा गया है, कि चर्च के लिए उपयोगी हो जाए लेकिन इसने कभी चार सुसमाचार की जगह नही ली है, क्यों? क्योंकि चार सुसमाचार तो पहले से इतने स्थापित हो गए थे कि उन्हें बदला नही जा सकता था, याने ये 170 में हुआ था/

180 में एरेनियस लिखता है और कहता है केवल चार सुसमाचार ही हैं, यही बस खत्म हुआ, याने दूसरी सदी के अंत तक आते हुए, कैनन पूरी तरह बन गया था, और कईबार लोग इस तरह से कहते हैं, कि कैनन 4 थी सदी तक नही बना था, तकनीकी रूप में कहे तो ये सही है, लेकिन ये गलत दिशा में ले जाए, क्योंकि नए नियम की 20 या 21 किताबें, याने दूसरी सदी के अंत में आने तक, बन चुकी थी, चार सुसमाचार, और प्रेरितों के काम और पौलुस की बहुतसी पत्रियाँ थी, शायद पहला पतरस भी था, याने यदि इन सबको एक साथ रहे तो ये बहुत बड़ा क्लेशन है, जो दूसरी सदी के अंत में हो चुका था/

और फिर बाकी की बात जो 4 थी सदी के मध्य तक चलती है, ये तो वो किताबें है जो किसी न किसी कारण से आती हैं, वो आगे आती हैं क्योंकि उनके बारे में सवाल उठते हैं कि क्या वो निश्चित थे, या वे कुछ अलग थी, जैसे प्रकाशितवाक्य की किताब, और अवश्य फिलेमों और यहूदा, दूसरा पतरस, दूसरा पतरस और यहूदा, जो अपोक्लीपटिक थी, याने ये थोड़ी अलग है, तो उन्हें समय लगा कि निश्चित हो जाए और साथ ही कुछ अलग किताबें थी, जो जोड़ी नही गई, पहला क्लेमेन्ट, डीडीके, शेफर्ड ऑफ़ हरमस, जिसे कुछ लोग किस समय पर इस तरह से देखते हैं, कि ये अधिकार का है, लेकिन कभी इसे सहमती का नही देखते हैं, जो दूसरी किताबें करती हैं, इसलिए हम आखिर में 367 एथेनेस के लेख में आते हैं, जिसे फेस्टल लेख कहते हैं, वो इसे 27 किताबें कहते हैं, और वो फिर से सहमत होती या शाश्वती दी जाती है, जो 4 थी सदी के अंत और 5 वी सदी के शुरू के बारे में बताती है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, चलिए फिर से देखिए, हमने इन प्रोग्राम की पूरी सिरीज़ शुरू की थी ये कहते हुए कि यीशु था, उसने 12 लोगों को चुना, वो प्रेरित थे, उन्होंने पेन्टिकोस्ट को प्रचार किया यीशु को कब्र में रखने के 50 दिनों के बाद, याने वो जीवित प्रेरित थे, जिन्होंने पत्र और किताबें लिखी, ठीक है, अब, जब हम देखते हैं कि अब कैनन में जो है, जो हमारा नया नियम है, ठीक है, जिसके बारे में एथेनेशियस ने कहा, बस इतना ही, और इसे बढकर कुछ नही है, और आप कह रहे हैं कि ये दूसरी सदी में ही तय किया गया था/

डॉ. डेरेल बॉक: कॉनस्टंटीन के बहुत पहले ही, ये महत्वपूर्ण है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये मुख्य बात है, लेकिन चलिए इन किताबों के स्रोतों तक वापस जाते हैं, ये सच में चौकानेवाला है, तो आप इसके बारे में बताइए/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, मुख्य स्रोत जो हमें बताता है कि ये दूसरी सदी के शुरू में ही हुआ है, वो तो एरनेरियस है, वो लिखते हैं और चार सुसमाचार के बारे में कहते हैं, वो ऐसी बहस करते हैं जो हम नही कर सकते हैं, ठीक है,

ये अजीब बहस है, उन्होंने कहा कि जैसे चार कोने होते हैं संसार में चार हवा होती हैं, इसलिए चार सुसमाचार हैं, याने वो इस तरह से इसे बताते हैं कि ये तो प्रकृति की बात है, ठीक है? वो यही तो कहते हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: वो कोई नई बात नही कह रहे थे, वो इस तरह के वाक्य नही कह सकते थे, ये किसी तरह से पुराना पारंपरिक तरीका था/

डॉ. डेरेल बॉक: ये लोगों की सच्चाई में बना हुआ था, जैसे लोग कहते थे रुकिए, रुकिए एक मिनट ये केवल चार नही हैं, मैं जानता हूँ कि और भी 5 या 6 हैं, नही, वो इस तरह के वाक्य को कहते हुए ये जानते थे, क्योंकि इसे वो दिखाना था जो वहां पर हो रहा था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: लेकिन 9 स्रोत थे जो बताते हैं कि 27 किताबें हैं, ये कब हुआ?

डॉ. डेरेल बॉक: जी, सामान्य रूप में 9 लोगों का योगदान रहा है जिससे हमारे पास नए नियम में 27 किताबें हैं, जो हैं मत्ती, मरकुस, लूका ने लूका और प्रेरित लिखे हैं, युहन्ना जिम्मेदार है जिसने सुसमाचार और प्रकाशितवाक्य और पत्री लिखी, कुछ लोग इससे सहमत नही हैं और लोग सोचते हैं कि केवल एक व्यक्ति ने किया, देखिए प्रेरित लूका से जुड़ा है, और इस तरह है मत्ती, मरकुस, लूका और युहन्ना, और प्रेरित लूका ने लिखा है, और फिर है पौलुस, और फिर है याकूब, और फिर इब्रानियों का लेखक, जैसे ओरिजेन ने कहा कि प्रभु जाने किसने लिखा है, और फिर है पतरस, याने इतने ही/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: यहूदा/

डॉ. डेरेल बॉक: यहूदा, यहूदा अंत में है याने 9 लोगों ने इन 27 किताबों में योगदान दिया है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: वो तो प्रेरित थे या प्रेरितों के साथ थे, और यही सब खत्म होता है/

डॉ. डेरेल बॉक: बिलकुल सही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप इसके बारे में क्या कहेंगे कि कैसे विद्यार्थी जानेंगे कि यही सही है, उन्होंने सही बातों को चुना है?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैं सोचता हूँ कि इन किताबों के लेखक बारे में हमने देखा है कि ये दूसरी सदी के शुरू में ही लिखी गई थी, हम पैपिअस की चर्चा देखते हैं, अरेनियस की चर्चा और एग्निशिय्स प्रेरितों के बारे में कहते हैं, और क्लेमेन्ट, और ये चर्चा, हमें बताती हैं कि ये किताबें इन लोगों ने लिखी हैं, जब कि उन्होंने नए नियम को वचन के रुप में नही स्वीकार किया था, इतने शुरू के स्थर पर नही/ लेकिन वो कह रहे थे कि इन अधिकारी लोगों ने इन बातों को लिखा है, और इसमें एक बात है जिसमे हमें मुश्किल होती है, यदि आज कोई आकर ये कहे, जानते हैं बाइबल में 66 किताबें हैं लेकिन मैं 67 वी जोड़ना चाहूँगा, और मैंने इसे अभी लिखा है, मुझे ये किससे पब्लिश करवानी होगी? और इस तरह के लोगों को पागलखाने में रखते हैं, जो अकसर इस तरह की बातें करते हैं, लेकिन जब हम नए नियम के डॉक्यूमेंट देखते हैं, शायद उसमे भी इस तरह का वाक्य हो, चर्च को ये कहने के लिए कितना समय लगा कि आज हमारे पास जो हैं वो हमारी पूरी बाइबल के साथ अतिरिक्त बात है, खासकर हिब्रू बाइबल,दूसरी सदी में वो सब हिब्रू टेक्स्ट को पुरे टेक्स्ट के रूप में देख रहे थे, इस तरह हमें नए नियम के डाक्यूमेंट्स मिले हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, फिर से, आधुनिक सवाल ये होगा, जिस तरह से सामर्थी इतिहास उन्होंने लिखना था उसे उन्होंने नही लिखा, इसके लिए आपका जवाब क्या है?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैं कहूँगा कि जिसने किया इतना सामर्थी नही किया, लेकिन वो सच्चाई जानते और सच्चाई बता रहे थे, और लोगों के साथ बने रहे क्योंकि उनके पास जो संदेश था, ये अद्‌भुत था क्योंकि ये जीवन बदल रहा था/

डॉ. डेरेल बॉक: और मैं सोचता हूँ कि इसे जानना बहुत जरूरी है कि कैनन का मुख्य भाग, उस समय से है, जब कि रोम की राजनैतिक सामर्थ मसीही नही थी/ याने हमारे पास दूसरी सदी का अंत का भाग है जहाँ अरनेयस और दूसरे लोग निश्चित रूप में ओर्थोडोक्स के बचाव के लिए लिख रहे थे, उनके बिशप के पास चर्च में कुछ अधिकार था, जब कि इस बड़ी चर्चा होती है, लेकिन किस कारण ये डटे रहते हैं? ये इस कारण डटे रहते हैं क्योंकि वो साहित्य,और वो दावे पूरी तरह से परंपरा में जड़ पकडे हैं, और इसमें चौकानेवाले चुनाव होते हैं, मतलब हमने पिछले शो में चर्चा की है कि कैसे लूका पौलस का साधारण साथी नही था, जिसे सुसमाचार से जोड़े, यदि हम किसी को पौलुस के साथी के रूप में चुनते हैं, मरकुस को पतरस के साथ मिलकर सुसमाचार लिखने की जरूरत नही थी, कुछ भी हो वो पौलुस के मिशन में असफल हुआ था, और घर चला गया और डर गया था, और पौलुस उसे अगले मिशन में नही ले जाता है, यदि आप ऐसे ही किसे चुन रहे हैं तो ऐसे व्यक्ति को नही चुनेंगे/ याने इस तरह की न जुड़नेवाली बातें हैं, जो मैंने कही हैं, जिसे हम शर्मिन्दा होना कहते हैं लेकिन इस बिच भी असली मुद्दा है कि ये सटीक बना रहता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मुझे सारांश के वाक्य बताइए डैन/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैं यही कह रहा हूँ कि शुरू के चर्च के लेखक ने ये जान लिया, कि इन लेखों को प्रेरितों ने लिखा, याने प्रेरित और साथियों ने, इसने उन्हें अधिकार दिया, जो दूसरी सदी से आगे नही मिलती, और इस तरह से उन्होंने जाना कि यही किताबें कैनन में होनी चाहिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अद्‌भुत बातें हैं, अब एक और विस्तार की बात आती है, और सामान्य रूप में वो है कि शायद शास्त्रियों ने टेक्स्ट में कुछ बदलाव किए, और बार्ट अहरमन ने मिसकोटिंग जीजस में कहा, कि हस्तलेख में 4 लाख से भी ज्यादा बदलाव दिखते हैं, जो कॉपी आई हैं उन में फर्क हैं, कुल मिलाकर 1 लाख 36 हज़ार वचन हैं?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: 1 लाख 38 हज़ार 1 सौ 62 वचन हैं

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, याने नए नियम के हर वचन के लिए 3 बदलाव हैं, तो कैसे जानेंगे कि प्रेरितों ने कौनसे असली शब्द का उपयोग किया है? अगले हफ्ते के लिए यही हमारा मुद्दा है, हम अधिकारीयों से जानेंगे, आशा है कि आप हमारे साथ जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाउनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ािो एप

"घ्द्धठ्ठन्‌ द्यद्द ठ्ठड़ड़ड्ढद्वद्य ख्ड्ढद्मद्धद्म क्ष्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्‌.दृद्धढ़

@JAshow.org क्दृद्रन्‍द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋड्ढड्ढक्ष्